सन्देश

वनों व जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र सहित समस्त प्राकृतवासों की वन्य प्राणियों के संरक्षण व संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका है। वन, वेटलैण्ड्स एवं नदियां स्थानीय समुदाय को रोजगार, आजीविका के संसाधन, विभिन्न वन उत्पाद एवं पर्यावरणीय सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। वन्य प्राणियों के वास स्थल के संरक्षण व सुधार से वन्य प्राणियों का संरक्षण होने के साथ ही इन पारिस्थितिकीय तंत्रों पर निर्भर स्थानीय जन समुदाय की आर्थिक स्थिति में सुधार भी होता है।

वन्य प्राणियों को हमारी सांस्कृतिक व धार्मिक परम्परा में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। हमारे मनीषियों ने ईश्वर के विभिन्न अवतारों यथा– बाराह अवतार, कूर्म अवतार, मत्स्य अवतार की परिकल्पना कर वन्य प्राणियों के संरक्षण व संवर्धन को धार्मिक कार्य का रूप दिया। आज सामान्य जन प्रकृति से दूर होकर अपने इन प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त होने वाले लाभों से वंचित होने के साथ ही इन संसाधनों के संरक्षण के प्रति उदासीन भी हो रहा है। वन्य प्राणि सप्ताह जैसे पर्यावरणीय दिवस हम सबको अपनी अमूल्य प्राकृतिक सम्पदा के संरक्षण व संवर्धन के संवैधानिक, सामाजिक, धार्मिक एवं नैतिक कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि वन्य प्राणि सप्ताह (01–07 अक्टूबर, 2017) के अवसर पर समाज को अपने इन कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने हेतु वन एवं वन्य जीव विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

वानिकी को जन अभियान का रूप देने हेतु वन प्रबन्ध में समाज के निर्बल व वंचित वर्गों की सहभागिता, वानिकी को जन सामान्य विशेषकर कृषक केन्द्रित बनाने, संयुक्त वन प्रबन्ध समितियों के माध्यम से ग्राम वनों का प्रबन्धन, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्थानीय निवासियों की आय वृद्धि गतिविधियों का संचालन, धार्मिक वाटिकाओं का विकास, वनों की उत्पादकता में वृद्धि हेतु उच्च गुणवत्तायुक्त बीजों व वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग, वन व वन्य जीव संरक्षण की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन एवं गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने व अविरल प्रवाह बनाए रखने हेतु गंगा नदी के तट पर स्थित 27 जनपदों में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन सहित विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।

प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि न केवल वन्य प्राणि सप्ताह के अवसर पर अपितु निरन्तर समर्पित भाव से वन्य प्राणि संरक्षण में अपना योगदान देकर इस दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को गति प्रदान करें।

(रेणुका कुमार)